अध्याय 6

# विशेषण

संज्ञा आ क्रिया के विशेषता बतावेवाला शब्द के विशेषण कहल जाला। जइसे-करिआ गाय, पीअर आम, गोर लइकी, तेज दउड़ल, गवें-गवें बोलल, लाहे-लाहे डोलल वगैरह। एमें करिआ, पीअर, गोर, तेज, गवें-गवें आ लाहे-लाहे विशेषण शब्द बाड़े स।

विशेषण के कामे ह विशेषता बतावल। भाषा के छोट इकाई वाक्य ह आ ओकर मुख्य रूप से दूगो भाग होला– उद्देश्य आ विधेय। जवन शब्द उद्देश्य आ विधेय के विशेषता बतावे, उहे ओकर विशेषण होला। व्याकरण में उद्देश्य के विशेषता बतावेवाला के संज्ञा-विशेषण आ विधेय के विशेषता बतावे वाला के क्रिया विशेषण कहल जाला।

## विशेषण के भेद

संज्ञा आ क्रिया के विशेषता बतावे के आधार पर विशेषण के दूगो भेद बतावल गइल बा–संज्ञा विशेषण आ क्रिया विशेषण।

**संज्ञा विशेषण** - जवना शब्द से संज्ञा के विशेषता के ज्ञान होय, ओकरा के संज्ञा विशेषण कहल जाला, जइसे-कत्थी कुरता, कनफुँकवा गुरु, डम्हक आम, कमाऊ पूत, करकसा मेहर, कुअतल लइका, खकही

चटाई, खटतुरूस अंगूर, गवेल लइका, गरदाखोर कपड़ा वगैरह में कत्थी रंग कुर्त्ता के, कनफूँकवा गुरु के, डम्हक आम के, कमाऊ पूत के, करकसा मेहर के कुअतल लइका के, खकही चटाई के, खटतुरूस अंगूर के, गवेल लइका के, गरदाखोर कपड़ा के संज्ञा के विशेषता बतावता। एह से ई सब के सब संज्ञा विशेषण के उदाहरण बा।

**क्रिया विशेषण**–जवना शब्द से क्रिया के विशेषता उजागर होला, ओकरा के क्रिया-विशेषण कहल जाला, जइसे-गवें-गवें बोलल, गते-गते चलल, गद्‌गद् भइल, गपागप भकोसल, गाहे-बेगाहे टोकल, अनचिते आ धमकल, अचके गिरल, अछोधाह होके रोवल वगैरह, गवे-गवे बोलल क्रिया के, गते-गते चले के, गद्‌गद् भइला के, गपा-गप भकोसला के, गाहे-बेगाहे टोकला के, अनचिते आ धमकला के, अचके गिरला के, अछोधाह होके रोवला के, क्रिया के विशेषता बतावेवाला शब्द बा। एह से ई सब क्रिया विशेषण के उदाहरण बा। व्याकरण में विशेषण शब्द के द्वारा जवना शब्द (संज्ञा चाहे क्रिया) के विशेषता बतावल जाला ओकरा के विशेष्य कहल जाला, जइसे-एहर आवऽ में एहर विशेषण के विशेष्य 'आवल' क्रिया बा ओइसहीं, करिआ काग में काग, लमहर गाँज में गाँज, पातर कर्ची में कर्ची, कुअतल पड़रू में पड़रू क्रम से करिआ, लमहर, पातर, कुअतल विशेषण के विशेष्य शब्द बा। भाषा में कुछ शब्द विशेषणो के विशेषता बतावे वाला होले, उन्हन के प्रविशेषण चाहे विशेष्य विशेषण कहल जाला, जइसे-कुच-कुच अँहरिया रात, खूब पाकल आम, ढ़ेर पातर लइकी, बहुते लबरा आदमी में कुच-कुच, खूब, ढेर, बहुते शब्द क्रम से

अँहरिया, पाकल, पातर, लबरा विशेषण के विशेषता बतावेवाला शब्द बा जवन प्रविशेषण चाहे विशेष्य विशेषण के उदाहरण बा।

## संज्ञा विशेषण के भेद-

प्रयोग के आधार पर संज्ञा विशेषण के पाँचगो भेद होला-सार्वनामिक विशेषण, गुणवाचक विशेषण, संबंधवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण आ परिमाण वाचक विशेषण।

### 1. सार्वनामिक विशेषण

जवन सर्वनाम विशेषण जइसन विशेष्य के विशेषता बतावेला, ओकरा के सार्वनामिक विशेषण कहल जाला, जइसे-ई आम, ऊ काम, अपन घर, तोहर कटोरा, अइसन कठरा, ओइसन करछुल, कइसन दुल्हा वगैरह में ई, ऊ, अपन, तोहर, अइसन, ओइसन, कइसन सर्वनाम क्रम से आम, काम, घर, कटोरा, कठरा, करछुल, दुल्हा विशेष्य (संज्ञा) के विशेषता बता रहल बा।

पुरुषवाचक आ निज वाचक सर्वनाम के छोड़ के बाकी सब सर्वनाम के प्रयोग विशेषण जइसन होला। संज्ञा/विशेष्य के साथे आवेवाला सर्वनाम के ओह संज्ञा/विशेष्य के विशेषण कहल जाला।

जब यौगिक सार्वनामिक विशेषण विशेष्य के बिना आवेलें त ओकर प्रयोग संज्ञा जइसन होला, जइसे-जइसन करबऽ ओइसन पइबऽ। सार्वनामिक विशेषण के प्रयोग मूल आ यौगिक दू रूपन में होला। एह आधार पर सार्वनामिक विशेषण के दूगो भेद पावल जाला-मूल सार्वनामिक विशेषण आ यौगिक सार्वनामिक विशेषण।

## 2. गुणवाचक विशेषण

जवन शब्द विशेष्य के गुण धर्म के उजागर करेला ओकरा के गुणवाचक विशेषण कहल जाला, जइसे-अच्छा, बुरा, पातर, मोट, लामा, चाकर, लाल, हरिअर वगैरह।

भोजपुरी में गुणवाचक विशेषण के संख्या आउर विशेषण सब से अधिका बा जवन के काल, स्थान, आकार, रंग, दशा स्वभाव वगैरह के आधार पर कइ कोटि में बाँटल जा सकेला, जइसे

**काल सूचक गुणवाचक विशेषण**- नया/नाया, पुरान, ताजा/टटका, बसिआ, भूत, पिछिला/पछिला, अगिला, टिकाउ, वर्तमान, भविष्य, वगैरह।

**स्थान सूचक गुणवाचक विशेषण**-उजार, ऊँच-नीच/ऊँचा-खाला, भारतीय, बिहारी, चउरस, दहिना/दहिनवारी, बावाँ, बवाँरी, बाहरी, भीतरी, ऊपरी, सतही, पूरबी, देसीय, देसिला, गहिर, छितनार वगैरह।

**आकार सूचक गुणवाचक विशेषण**-गोल, लामा, चाकर, चवकोर सुनर, नुकीला/ नोकदार, सुडउल, समान, तिरछा, सीधा, गलफूल्ला।

**रंग सूचक गुणवाचक विशेषण**-लाल, पीअर, हरिअर, कत्थी, उज्जर, करिआ, फीका, करलूठ, गरदाखोर वगैरह।

**दशा सूचक गुणवाचक विशेषण**-नीमन, सुखल, हरिअर, काँच, पाकल, खुश, दुबर पातर, भारी, गाढ़, भींजल, धनिक, गरीब, अमीर, मेहनती, रोगी, बेमरिहा, मोट, छोट, पघिलल, गील सूखल, पोसुआ, खीसिआइल, घबराइल, अपाहिज, कटिहर, कठेस, कन्हा।

### 3. सम्बन्ध वाचक विशेषण

जवन शब्द विशेष्य के विशेषता आउर वस्तु के संबंध से बतावेला, ओकरा के संबंधवाचक विशेषण कहल जाला। सम्बन्धवाचक विशेषण संज्ञा, क्रिया आ क्रिया-विशेषण सब से बनल होला, जइसे- भीतर से भीतरी, बाहर से बाहरी, भारत से भारतीय, हप्ता से हप्तवारी, माह से माहवारी, पहाड़ से पहाड़ी, साल से सालाना वगैरह।

### 4. संख्यावाचक विशेषण

जवना शब्द से विशेष्य के संख्यागत विशेषता उजागर होखे, ओकरा के संख्यावाचक विशेषण कहल जाला। निश्चित आ अनिश्चित संख्या के आधार पर एकर दूगो भेद होला-निश्चित संख्यावाचक विशेषण आ अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण।

### 5. परिमाण वाचक विशेषण

जवना शब्द से कवनो वस्तु के माप-तौल से जुड़ल विशेषता उजागर होला ओकरा के परिमाण वाचक विशेषण कहल जाला, जइसे-सेरभर दूध, धोरा पानी, तोला भर सोना के सेरभर, थोरा, तोलाभर पद क्रम से दूध, पानी आ सोना के परिमाण वाचक विशेषण बा। एकरा अलावे एतना, ओतना, जेतना, केतना, आउर, सभ, समुच्चा, थोरका, जादा, अधिका वगैरह एकर उदाहरण बा।

## भोजपुरी के कुछ आपन विशेषण

नीमन (बढ़िया), लोफर चाहे लखैरा (आवारा), पुरनिया (बूढ़), फोकराइन (दूध के गंध), छिपछिपाह (हल्का-हल्का पानी), टटका (ताजा), पेन्हायल (दूध देवे खातिर तइयार जानवर) निखुराह चाहे निखोराह (खाय में मीन-मेख निकालेवाला), छरिआह (ढेर रोअनिया), जड़ाऊँ (जड़ल), उदन्त (बिना दाँत के बएल), टंच (बहुते बढ़िया), छिनार (रसिक मिजाजी), बमकल (क्रोधित), पेटू (अधिका खायवाला), फरदहर (तेज), उवेगल (उद्विग्न), ललुआवन (लललइतअस), छोहगर चाहे ओछ (छोट), लहालोट (गदगद), सवदगर (स्वादिष्ट), जनमउती चाहे जनमतुआ (नवजात), बदरकट्टू (बदरी के बादो कड़-कड़ धूप), बतफरोस चाहे बतपंगना (बतबनवना), ललपटिया (धूर्त), एकपिठिया (ठीक बाद में जनमल लड़का), पहिलौंठ (पहिला लइका), पेटमधवा (जवन खाली पेट भरे के बाड़े में सोचत होखे) पेटपोछुआ (अंतिम संतान), नन्हमुनिआ (छोट मुँह के घाव), बलतोड़, (बाल टूटला से भइल घाव), बाघी कोखी (काँख के घाव), पिलखी (पीठ के घाव), कनकट (जवना बरतन के किनारी टूट गइल होखे), लरछूत चाहे पराछूत चाहे छूतंहर (ज़वन आसानी से पीछा ना छोड़े), थेथर (बेहाया), गुमसाइन (एगो खास तरह के गन्ध), बिलाला (ललाइत), रकटल चाहे खखनल (ललाइत), खरकटल (बरतन में अन्न सूख के पकड़ लिहल), बेहाल (व्यग्र), बेलाग (बिना लाग के), बरिआर (मजबूत), नीरइठ (जवन जूठ नइखें), मरखाह (मारेवाला मवेशी), सुधुआ चाहे सुधा (ना मारेवाला मवेशी), बउध (भोदा, बिना कंठ के), बकलर (मूरख) एकसंझी (दिन

में एक बार दूध देवेवाली मवेशी), उलाड़ (असंतुलित गाड़ी), अथाह (जेकरा सीमा के पता ना चले), थाह (जेकरा सीमा के पता होखें), दूधकट्टू (जवना लइका के लइकाई में माई के दूध पीये ला ना मिलल होखे) आदि।

## बोध प्रश्न

### वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'अइसन दुल्हा' में 'अइसन' शब्द उदाहरण बा-

   (क) परिमाण वाचक विशेषण के (ख) संबंधवाचक विशेषण के

   (ग) सार्वनामिक विशेषण के (घ) गुणवाचक विशेषण के

2. 'तिगुना' शब्द कवना विशेषण के उदाहरण बा।

   (क) क्रम बोधक (ख) आवृति बोधक

   (ग) समुदाय बोधक (घ) अनिश्चय वाचक

### लघु उत्तरीय प्रश्न

1. विशेषण के परिभाषा बताईं।
2. विशेषण के भेदन के परिचय दीं।
3. भोजपुरी के संख्यावाचक विशेषण के बारे में बताईं।

### दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. विशेषण के परिभाषा देत ओकरा भेदन के उदाहरण सहित परिचय दीं।